दीनदयाल जी के विचार आत्मनिर्भर भारत का आधारः लोक सभा अध्यक्ष

- **लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि उनके विचारों ने सम्पूर्ण विश्व का कल्याण किया**

धानक्या(जयपुर), 14 फरवरी: 'अगर हमें भारत को समर्थ बनाना है तो हमें देश को आत्मनिर्भर बनाना ही पड़ेगा। आत्मनिर्भर बनने का एक मात्र तरीका है कि हम अपने सामर्थ्य पर विश्वास रखें और स्वाभिमान के साथ स्वावलंबी बनने के मार्ग पर बढ़ें। यह वही मार्ग है जो महान युगदृष्टा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने हमें काफी पहले दिखाया था।' लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने यह बात रविवार को धानक्या में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 53वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित ''आत्मनिर्भर भारत-सक्षम भारत'' व्याख्यान में कही।

पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति की ओर से आयोजित व्याख्यान को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि धानक्या ने दीनदयाल जी को ऐसे विचारों से पुष्पित-पल्लवित किया, जिससे आज पूरे विश्व का कल्याण हो रहा है। आज भारत ही नहीं पूरे विश्व में आत्मनिर्भरता का जो मंत्र गूंज रहा है, वह दीनदयाल जी की ही देन है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने एकात्म मानववाद का जो संदेश दिया वह अंतिम व्यक्ति के कल्याण की दिशा में था। वे समाज के दलित, शोषित, पीड़ित व्यक्ति को समानता और न्याय दिलाने के पक्षधर थे। उनका विश्वास था कि इससे ही देश गौरवान्वित होगा। वे जाति संघर्ष और असमानता को समाप्त करना चाहते थे। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि वे एक ऐसे विचारक थे जिन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से भी अपना राष्ट्रवादी चिंतन सबके सामने रखा। उन्होंने देश सेवा और सम्पूर्ण राष्ट्र को वैभवशाली बनाने का जो रोडमैप तैयार किया, उस पर देश आज बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

आत्मनिर्भरता के मार्ग पर बढ़ रहे भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि कोविड के दौरान हमने देखा कि जब बड़े देशों की चिकित्सा व्यवस्था और अर्थव्यवस्था डगमगा रही थी तब भारत ने 130 करोड़ देशवासियों की सामूहिक संकल्पशक्ति और सेवा भावना से इस चुनौती का सामना किया।

पहले देश में जहां एक भी पीपीई किट नही बनती थी, मास्क का उत्पादन भी न के बराबर था, वहीं आज हम उनका एक्सपोर्ट भी कर रहे हैं। पहले कहा जाता था कि न तो हम कच्चे माल के मामले में आत्मनिर्भर हैं और न ही फिनिश्ड प्रोडक्टस ही तैयार कर पाते हैं। लेकिन आज हमें कच्चे माल और फिनिश्ड प्रोडक्ट दोनों में सक्षम बन रहे हैं।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि हमने पूरी दुनिया को दिखाया कि जब भी भारत के सामने कोई चुनौती आती है हम उसका सामना सामूहिक संकल्प शक्ति से करते हैं, यही भारतीय संस्कृति का वैशिष्टय है। यह सब विचार और संकल्प से होता है जो हमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय से मिले।

डिजिटल फॉरमैट में तैयार हो पंडित जी की जीवनी

पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्थल की सराहना करते हुए कहा कि यह वह भूमि हैं, जहां प्रत्येक देशवासी को प्रेरणा प्राप्त करने के लिए आना चाहिए। उन्होंने आयोजन समिति को पं. दीनदयाल जी की जीवनी डिजिटल फॉरमैट में तैयार करने का भी सुझाव दिया ताकि यहां आने वाले लोग उनके जन्म से लेकर निर्वाण तक की गाथा को सरलता से समझ सकें।

समाजसेवियो को किया सम्मान

इससे पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ने समाजसेवा के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले प्रबुद्धजनों को सम्मानित किया। इनमें वे कोरोना वारियर्स भी शामिल थे, जिन्होंने अपने प्राणों की परवाह किए बिना कोरोना की अवधि में आमजन के प्राणों की रक्षा की।